

# गीत

मीठो लगे मिथिला की गलियां ।

जहाँ विलसत वैदेही की अलियां ॥

लक्ष्मणु चलु जहाँ सदा बसन्त है,

हास विलास ललन दिल मिलिआं ।

सघन द्रुमनि युत पवित्र पुलनि है,

तरल तरँगनि बहत कमलिआं ॥

गिरिजा बाग लगत अति सुन्दर,

सजल ताल विकसी नवँ कलिआं ।

श्रीवेदवल्यलु तहाँ वसत सदाई,

अतिहि अनूप रहस्य की थलिआं ॥

जग तरु मध्य द्वै फल अवलोके,

इक तूँ इक मैथिलि निर्मलिआं ॥